स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)

अंतिम परीक्षा, 1 सेमेस्टर 2014–15 (जुलाई 2015)

ए ई एम– 202 : कृषि–व्यवसाय एवं उद्यम विकास (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. बढ़ावा–मिश्रण के संघटकों तथा कृषि–व्यवसाय उद्यम द्वारा उपयोग की जानेवाली बाज़ार–बढ़ावा–तकनीकों के विभिन्न स्तरों को स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखितों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। (सभी प्रश्नों का अंक समान है)
   (क) नगद–योजना एवं नियंत्रण का अंतर
   (ख) कार्पोरेट शासन
   (ग) संगठनों द्वारा विकसित सात नैतिक पैरामीटर
   (घ) गोदाम रसीद प्रणाली के कार्य

3. कृषि–उत्पादों की कीमतों का उतार–चढ़ाव कृषि में एक आम बात है। इसके कारण का वर्णन कीजिए तथा इसको दूर करने के उपयों को सुझाइए। प्रत्येक विधि के लाभ एवं नुकसान का उल्लेख कीजिए।

4. अग्रवर्ती अनुबंध एवं वायदा अनुबंध का अंतर क्या है? कृषि उत्पादों विपणन में वायदा–व्यापार की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

5. किसी सामग्री और सेवाओं के क्रय में किसी उद्यम या प्रतिष्ठान द्वारा पालन किए जाने वाले क्रय–उद्देश्यों पर चर्चा कीजिए।

6. अनिवार्यता वस्तु अधिनियम के संबंध में केन्द्रीय सरकार के कार्यों एवं अधिकारों का वर्णन कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (सभी प्रश्नों का अंक समान है):
   क) भारत में ग्रामीण बाज़ारों की आवश्यकता
   ख) कृषि–विपणन में पश्चवर्ती संपर्क
   ग) परक्राम्य लिखित अधिनियम के प्रकार
   घ) वैध अनुबंध
   ङ) निगमित खेती
   च) वैध अनुबंध
   छ) उद्यमी के लक्षण
   ज) विपणन एवं विक्रय की अवधारणा

8. उद्यमी को व्यवसाय–योजना की आवश्यकता क्यों है? व्यवसाय–योजना तैयार करते समय ध्यान देने योग्य विभिन्न चरणों एवं प्रमुख अंगों का वर्णन कीजिए।

* * * * *

January, 2015

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी एई एम)
द्वितीय सेमेस्टर 2013–14 सत्रांत परीक्षा एवं
पूरक परीक्षा– 2007–08 से 2012–13 तक

ए ई एम– 202 : कृषि–व्यवसाय एवं उद्यम विकास (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. व्यवसाय–योजना क्या है? व्यवसाय–योजना तैयार करने के कारण क्या–क्या हैं? एक विशिष्ट व्यवसाय योजना के प्राथमिक भाग/खंड का उल्लेख कीजिए। व्यवसाय–योजना के विभिन्न प्रकारों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

2. संक्षिप्त रूप से चर्चा कीजिए कि किसी उद्यम में नकद–प्रबंधन क्या है तथा सफल उद्यमी बनने के लिए नकद–प्रबंधन में आने वाली समस्याओं का वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
   क) क्रय–प्रक्रिया में खरीद के प्रकार
   ख) कार्य के आधार पर बाज़ारों का वर्गीकरण
   ग) भण्डारण
   घ) जोखिम–प्रबंधन
   ङ) निगमित खेती
   च) वैध अनुबंध

4. अपने क्षेत्र के किसी कृषि/बागवानी/पशुधन/मात्स्यिकी उत्पाद का उदाहरण देते हुए खरीद–कार्य को स्पष्ट कीजिए।

5. किसानों को विभिन्न कृषि–उत्पादों को बेचने के लिए उपलब्ध प्राथमिक बाज़ार क्या–क्या हैं? उनमें से किसी एक का विस्तार से वर्णन कीजिए।

6. कृषि–व्यवसाय एवं उद्यम–विकास को बढ़ावा देने में निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
   अ) कृषि–व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए अनुबंध खेती
   आ) ई–चौपाल–माल–बाज़ार में एक अभिनव पहल
   इ) व्यापार में राष्ट्रीय स्तर का माल–विनिमय
   ई) बचाव–व्यवस्था एवं जोखिम प्रबंधन में इसके लाभ एवं हानि
   उ) अग्रगामी अनुबंध एवं वायदा अनुबंध का अंतर
   ऊ) साझेदारी प्रतिष्ठान की विशेषताएँ

7. 'ग्रामीण उत्पादक' द्वारा 'शहरी ग्राहक' तक पहुँचने की चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। शहरी बाज़ार में प्रवेश करने के लिए किसानों को कैसे सशक्त बनाया जा सकता है?

8. विकास–कार्यक्रम में 'उद्यमिता' शब्द से आप क्या समझते हैं? किसी एक चरण का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

* * * * *

December, 2014

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)
द्वितीय सेमेस्टर 2013–14 सत्रांत परीक्षा एवं
पूरक परीक्षा – 2007–08 से 2012–13 तक

ए ई एम – 202 : कृषि–व्यवसाय एवं उद्यमिता विकास (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. भारतीय किसान को कृषि–व्यवसाय उद्यमी के रूप में वैश्विक–बाज़ार में पहुँचने का अवसर है। इस संबंध में उद्यमिता से आप क्या समझते है, क्लारेन्स डानहोफ के अनुसार उद्यमियों के प्रकार और कृषि–उद्यमियों के उद्यमी–लक्षण संक्षिप्त रूप में स्पष्ट कीजिए।

2. किसी उद्यम को सफलतापूर्वक चलाने के लिए रोकड़–प्रबंधन बहुत ही महत्वपूर्ण है। संक्षिप्त रूप में चर्चा किजिए कि किसी उद्यम में रोकड़–प्रबंधन क्या है तथा रोकड़–प्रबंधन की समस्याओं को स्पष्ट कीजिए ताकि सफल उद्यमी बन सके।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
   क) कृषि–व्यवसाय में उत्पादों को अंतरित करने के लिए बाज़ार–बढ़ावा तकनीक
   ख) कृषि–विपणन सूचना के प्रारंभिक कार्यों (कम से कम पाँच) का उल्लेख कीजिए तथा किसी एक आईसीटी गतिविधि का विवरण प्रस्तुत कीजिए।
   ग) क्रय प्रक्रिया में खरीद के प्रकार
   घ) भारत के ग्रामीण बाज़ार की विशेषताएँ
   ङ) कृषक–बाज़ार – कृषि–उत्पादों के लिए बेहतर कीमत पाने के लिए किसानों का प्रत्यक्ष बाज़ार
   च) चेक की वापसी एवं समाधान

4. विपणन–प्रबंधन ने कृषि–व्यवसाय में एक प्रमुख स्थान प्राप्त किया है। विस्तार से चर्चा कीजिए कि विपणन–प्रबंधक विपणनामिश्रण (विपणन की चार पी) का उपयोग करते हुए कैसे ग्राहकों को खुश करेंगे ?

5. माल–बाज़ार से आप क्या समझते हैं? माल के लक्षण के बारे में संक्षिप्त वर्णन कीजिए तथा उपयुक्त उदाहरण देकर उल्लेख कीजिए बाज़ारों के वर्गीकरण पर चर्चा कीजिए।

6. कृषि–व्यवसाय एवं उद्यम–विकास को बढ़ावा देने में निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
   अ) कृषि–व्यवसाय को बढ़ावा देने में अनुबंध खेती
   आ) ई–चौपाल – माल–बाज़ार में एक अभिनव पहल
   इ) व्यापार में राष्ट्रीय स्तर का माल–विनिमय
   ई) बचाव–व्यवस्था एवं जोखिम प्रबंधन में इसके लाभ एवं हानि
   उ) अग्रगामी अनुबंध एवं वायदा अनुबंध का अंतर
   ऊ) किसानों की आजीविका को सुधारन में वी एफ पी सी, केरल, एक अभिनव समूह विपणन तकनीक, की भूमिका

7. कंपनी से आप क्या समझते हैं? इसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए तथा कंपनियों के संघ की धारा सहित कंपनियों के विभिन्न प्रकारों पर चर्चा कीजिए।

8. माल–विनिमय और वायदा बाज़ार क्या हैं? वायदा बाज़ार में विनिमय–लेनदेन कैसे होता हैं?

* * * * *

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पी जी डी ए ई एम)
परीक्षा – जुलाई, 2014

पाठ्यक्रम – 202 : कृषि–व्यवसाय एवं उद्यम विकास (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं**पाँच** प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. अगर कृषि को उद्यम के रूप में मानना है तो कृषि–उद्यमी से आपका क्या तात्पर्य है तथा उनके लक्षण एवं उद्यमियों के प्रकारों को संक्षिप्त रूप में स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (अ) उद्यम में व्यवसाय–योजना का महत्व
   (आ) विपणन मिश्रण (विपणन के चार P)
   (इ) कृषि विपणन सूचना नेटवर्क में सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी के पहल (कम से कम 5) का उल्लेख कीजिए
   (ई) कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण की समस्याएँ
   (उ) माल–बाज़ारों में अद्यतन नवाचार
   (ऊ) चेक की वापसी एवं इसका समाधान

3. उद्यम में रोकड़–प्रबंधन से आप क्या समझते हैं तथा रोकड़–प्रबंधन की समस्याओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. भारत की बड़ी ग्रामीण आबादी को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण बाज़ारों का महत्व एवं इनकी आवश्यकताओं को स्पष्ट कीजिए तथा भारतीय ग्रामीण बाज़ारों की प्रमुख आवश्यकताओं का उल्लेख कीजिए।

5. माल–बाज़ारों का इनकी विशेषताओं सहित उल्लेख कीजिए तथा माल–बाज़ारों के वर्गीकरण का विस्तार से वर्णन कीजिए।

6. माल–विनिमय एवं वायदा व्यापार को स्पष्ट कीजिए तथा वर्णनक कीजिए कि वायदा व्यापार में विनिमय लेन–देन कैसे होता है?

7. बचाव–व्यवस्था क्या है? वायदा विनिमय एवं जोखिम प्रबंधन में बचाव–व्यवस्था के लाभ एवं इनकी हानियों का उल्लेख कीजिए।

8. परक्राम्य लिखत अधिनियम से आप क्या समझते हैं तथा वाणिज्यिक लेन–देन के लिए उपलब्ध परक्राम्य लिखत के प्रकारों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

* * * * *

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)
विशेष पूरक परीक्षा – दिसंबर 2013
पाठ्यक्रम 202 : कृषि–व्यवसाय और उद्यम विकास

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. व्यवसाय–योजना क्या है? किन–किन कारणों से व्यवसाय–योजना तैयार की जाती है? भागों को ठेठ व्यवसाय–योजना में उल्लेख कीजिए। व्यवसाय–योजना के विभिन्न प्रकारों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
2. निम्नलिखित में से चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) नगद प्रबंधन की समस्याएँ
   (आ) बाज़ार विभाजन
   (इ) विपणन उलझन
   (ई) प्रोन्नति उलझन के कारक
   (उ) वैध अनुबंध
   (ऊ) क्रय–आचार
3. प्रतिस्पर्धा के आधार पर बाज़ार के प्रकार क्या–क्या हैं तथा उनको उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
4. आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के उद्देश्य क्या–क्या हैं? इसके चरण/अंग का वर्णन कीजिए। विभिन्न स्तरों पर आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की मुख्य मुद्दों का उल्लेख कीजिए।
5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) साझेदारी प्रतिष्ठान की विशेषता
   (आ) माल की विशेषता
   (इ) कार्य के आधार पर बाज़ार का वर्गीकरण
   (ई) सफल बाज़ार
   (उ) ई–चौपाल
   (ऊ) व्युत्पन्नों के प्रकार
6. अनुबंध एवं निगमित खेती की तुलना कीजिए तथा इनके अंतर समझाइए।
7. कीमत जोखिम से क्या तात्पर्य है तथा इसके कारण क्या–क्या हैं? इसको कम करने की विधियाँ क्या–क्या हैं?
8. गोदाम के कार्य क्या–क्या हैं? गोदाम के प्रकारों का वर्गीकरण कीजिए तथा संक्षिप्त रूप उल्लेख कीजिए कि गोदाम रसीद एवं गोदाम रसीद प्रणली क्या है?

******

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)
पूरक परीक्षा (Sept.2013)

पाठ्यक्रम 202 : कृषि–व्यवसाय और उद्यम विकास (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) कृषि बनाम कृषि–व्यवसाय
   (आ) कृषि–विपणन में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका
   (इ) गोदाम रसीद
   (ई) भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932
   (उ) उद्यम पूंजी निधि
2. कृषि में उद्यम को बढ़ावा देने के लिए लागू किए गए सरकार के किसी एक कार्यक्रम को स्पष्ट कीजिए।
3. उद्यमी के वाँछित गुण क्या–क्या हैं? विस्तार के माध्यम से ग्रामीण युवकों में ऐसे गुणों को कैसे समावेश किया जा सकता है?
4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) अमूल (ए एम यु एल)
   (आ) अग्रगामी और पश्चगामी संपर्क
   (इ) अच्छी व्यवसाय योजना के अंग
   (ई) विपणन घपला
   (उ) मूल्य श्रृंखला प्रबंधन
5. गोदाम और भण्डारण से आप समझते हैं? किसानों के फ़ायदे के लिए गोदाम रसीद की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।
6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:
   (अ) आवधिक बाज़ार
   (आ) प्रत्यक्ष विपणन
   (इ) विपणन में किसानों की चुनौतियाँ
   (ई) कीमत–जोख़िम से निपटने की विधियाँ
   (उ) निगमित खेती
7. कृषि–व्यवसाय में नगद–प्रबंधन का क्या महत्व है? नगद–प्रबंधन और नगद–नियंत्रण को संक्षिप्त रूप से स्पष्ट कीजिए।
8. निम्नलिखित में किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) क्रय–कार्य
   (आ) ब्रेक ईवन विश्लेषण
   (इ) साझेदारी फर्म के लक्षण
   (ई) विनिमेय लिखत
   (उ) अल्पकालीन और दीर्घकालीन बाड़ा

***

कृषि विस्तार प्रबंधन – 202 (एस)

स्नातकोत्तर कृषि विस्तार प्रबंधन डिप्लोमा (पीजीडीएईएम)
अंतिम परीक्षा, प्रथम सत्र 2011–12 (अगस्त 2012)

पाठ्यक्रम 202 : कृषि–व्यवसाय और उद्यम विकास (3 क्रेडिट)

अधिकतम अंक : 70 **समय : 2½ घंटे**

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लिखिए। सभी प्रश्नों का अंक समान है।

1. व्यवसाय–योजना क्या है? एक व्यवसाय–योजना के लिए अनिवार्य तत्व क्या–क्या हैं? व्यवसाय–योजना के विभिन्न प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।
2. आपूति–श्रृंखला से आप क्या समझते हैं? आपूर्ति–श्रृंखला प्रबंधन सिद्धांत पुरानी (1960 से पूर्व) प्रबंधन–क्रियाओं से कैसे भिन्न है? आपूति–श्रृंखला प्रबंधन–क्रिया को अपनाने से क्या–क्या लाभ मिलते हैं?
3. व्यवसाय–नीतिशास्त्र से आप क्या समझते हैं? (अ) विवेकानन्द (आ) अरबिन्दो (इ) गाँधी के विचारों को स्पष्ट कीजिए। व्यवसाय–नीतिशास्त्र के तीन 'आर' (three 'R's) का विवरण दीजिए।
4. साझेदारी (partnership) क्या है? साझेदारी फर्म के निर्माण और पंजीकरण के अंतर को समझाइए। साझेदारी फर्म के साझेदारों के प्रकारों का उल्लेख कीजिए। साझेदारों के अधिकार एवं कर्तव्यों को संक्षेप में बताइए।
5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
   - (अ) विश्व व्यापार संगठन के कार्य एवं सिद्धांत
   - (आ) नगद बजट
   - (इ) विपणन मिश्रण
   - (ई) क्रय (procurement) कार्य
   - (उ) अल्ट्रा वाइरस सिद्धांत
   - (ऊ) आवास बिल
   - (ऋ) अग्रगामी और पश्चगामी संपर्क
   - (ए) कृषि विपणन में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका
6. ग्रामीण बाज़ारों को लक्ष्य बनानेवाले कुछ संगठनों का विवरण दीजिए तथा उनकी नीतियों पर संक्षिप्त रूप में चर्चा कीजिए।
7. 'विनिमेय लिखित' (negotiable instrument) क्या है? विनिमेय लिखित के लक्षण क्या हैं? विनिमेय लिखित के प्रकार स्पष्ट कीजिए।
8. निम्नलिखितों का अंतर समझाइए :
   - (अ) अनुबंध खेती और निगमित (corporate) खेती
   - (आ) आवधिक बाज़ार और परंपरागत बाज़ार
   - (इ) विनिमेय और अविनिमेय गोदाम रसीद
   - (ई) अल्पकालीन और दीर्घकाली बाड़ा
   - (उ) वायदा बाज़ार और अग्रगामी बाज़ार
   - (ऊ) स्थानीय (spot) एवं अग्रगामी अंतरण
   - (ऋ) धोखादड़ी और गलत बयान (fraud and misrepresentation)

***

NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL EXTENSION MANAGEMENT, HYD-30. MANAGE